

ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के 922 साल के इतिहास में पहली बार लड़कों से ज्यादा लड़कियों ने दाखिले के लिए क्वालीफाई किया

■ दुनिया की छठे नंबर की यूनिवर्सिटी है ऑक्सफोर्ड

एजेंसी/ऑक्सफोर्ड

दुनिया की छठी सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सिटी ऑक्सफोर्ड में पहली बार मेल स्टूडेंट से ज्यादा फीमेल स्टूडेंट ने एडमिशन के लिए क्वालीफाई किया है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के 922 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है। ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी एंड कॉलेज एडमिशन बोर्ड ने बताया कि- इस बार के अंडरग्रेजुएट कोर्स में 1,025 मेल स्टूडेंट, जबकि 1,070 फीमेल स्टूडेंट ने एडमिशन लिया है।

कोर्स में एडमिशन के लिए अप्लाई करने

टॉप-200 में सिर्फ 8 यूनिवर्सिटी में मेल-फीमेल स्टूडेंट अनुपात बराबर



टाइम्स हायर एजुकेशन की एक रैंकिंग के मुताबिक- दुनिया की टॉप-200 यूनिवर्सिटी में से सिर्फ 8 में मेल-फीमेल स्टूडेंट का अनुपात बराबर है। ये 8 हैं- जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी, येल यूनिवर्सिटी, कैलीफोर्निया यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया, यूनिवर्सिटी ऑफ मियामी, एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ लक्जमबर्ग और न्यूकैसल यूनिवर्सिटी। दुनिया की टॉप-10 यूनिवर्सिटी में से सिर्फ 2 में मेल-फीमेल स्टूडेंट का अनुपात बराबर है।

वालों में भी फीमेल स्टूडेंट आगे थीं। 1,275 फीमेल स्टूडेंट, जबकि 1,165 मेल स्टूडेंट ने कोर्स के लिए अप्लाई किया था। इससे पहले भी ऑक्सफोर्ड जेंडर गैप को खत्म करने के लिए कदम उठाता रहा है। यूनिवर्सिटी से जुड़े

38 में से 13 कॉलेजों में महिला प्रिंसिपल हैं। 2016 में यूनिवर्सिटी ने भी पहली महिला वाइस चांसलर और पहली महिला वॉर्डन की नियुक्ति की थी।

ब्लैक ब्रिटिश स्टूडेंट के कम एडमिशन की

वजह से ऑक्सफोर्ड की आलोचना होती रही है। इस दिशा में भी सुधार करते हुए इस बार 65 ब्लैक ब्रिटिश स्टूडेंट को दाखिला दिया गया है। पिछले साल भी 75 ब्लैक ब्रिटिश को एडमिशन दिया गया था। ऑक्सफोर्ड जितनी ही पुरानी और प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी कैम्ब्रिज में मेल-फीमेल स्टूडेंट का अनुपात अभी 1,440 और 1,405 का है। यानी कैम्ब्रिज अभी मेल-फीमेल स्टूडेंट अनुपात सुधार नहीं पाया है। हालांकि ऑक्सफोर्ड के इतिहास को देखते हुए मेल-फीमेल स्टूडेंट का अनुपात बराबर होना अहम है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी 1096 से अस्तित्व में है। यहां से कुल 29 नोबेल विजेता, 27 ब्रिटिश प्रधानमंत्री पासआउट हुए हैं। ऑक्सफोर्ड में दी जाने वाली रोइस स्कॉलरशिप को भी दुनिया की सबसे पुरानी इंटरनेशनल स्कॉलरशिप माना जाता है।